हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 8 दिसंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल सिझौरा के एनसीसी कैडेट्स ने किया फायरिंग अभ्यास

भुआबिछिया। एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल, सिझोरा के एनसीसी कैडेट्स ने पुलिस फायरिंग रेंज सिधि टिकरी मण्डला में एक फायरिंग अभ्यास में प्रतिभाग किया। यह अभ्यास 1 एमपी आर्टिलरी रेजिमेंट जबलपुर के कमांडिंग ऑफिसर विक्रांत त्यागी के निर्देशानुसार आयोजित किया गया था। इस अभ्यास के दौरान कैडेट्स ने शस्त्रों के प्रयोग और निशानेबाजी की बारीकियां सीखीं। उसके बाद कैडेट्स ने फायरिंग अभ्यास किया जिसमें कई केडेट्स ने बेहतरीन निशाना लगाया। जिससे उन्हें फायरिंग का दूसरे राउंड का भी अभ्यास कराया गया। उसमे भी बेहतर प्रदर्शन किया। इस तरह के अभ्यास कैडेट्स के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उन्हें अनुशासन सिखाते हैं। विक्रांत त्यागी ने कैडेट्स को इस अभ्यास के लिए बधाई दी। साथ ही सूबेदार मेजर नीरज सिंह, नायक राजीव सूबेदार सैंथिल कुमार सुबेदार प्रदीप ने छात्रों को फायरिंग की बारीकियो को समझाया। इस मौके पर छात्रों के साथ संस्था के एनसीसी प्रभारी छवि कुमार चौधरी, दुर्गेश सोनवानी, अन्नू रानी रहे। विद्यालय के प्राचार्य द्विय ए.जे. सिंह, सुश्री पूनम सिंघल ने कैडेट्स को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ शाला में छात्रों के फायरिंग अभ्यास के लिए बेहतर आधारभूत संरचना का निर्माण किया जा रहा है। यह अभ्यास कई उद्देश्यों को पूरा करने में सहायक होता है। जिसमे कैडेट्स को शस्त्रों के प्रयोग में दक्ष बनाना, निशानेबाजी की बारीकियां सिखाना, कैडेट्स के आत्मविश्वास को बढ़ाना, कैडेट्स को अनुशासन सिखाना,एनसीसी के ऐसे अभ्यास छात्रों को देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत करते हैं और उन्हें राष्ट्र सेवा के लिए तैयार करते हैं।

गांव की समस्याओं का हुआ निराकरण, हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

रात्रि चौपाल में कलेक्टर और ग्रामीणों का संवाद

*** नरवाई न जलाने की दी हिदायत।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि गांव की समस्याओं का गांव में ही निराकरण करने और हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा रात्रि चौपाल आयोजित की जा रही है। रात्रि चौपाल में विभाग प्रमुख अधिकारियों के द्वारा शासन की योजनाओं और उपलब्धियों के बारे में बताया जा रहा है। जिससे हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके। कलेक्टर सोमेश मिश्रा शुक्रवार को ग्राम पुतर्रा जनपद पंचायत नैनपुर में आयोजित रात्रि चौपाल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर रात्रि चौपाल कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, सहायक कलेक्टर आकिप खान, एसडीएम नैनपुर हुनेंद्र घोरमारे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। रात्रि चौपाल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना स्वच्छ भारत मिशन योजना सामाजिक न्याय विभाग, मनरेगा योजना अंतर्गत आवेदन प्राप्त हुए जिनका निराकरण किया गया। राजस्व विभाग के द्वारा बी-1 का वाचन किया गया। आयुष्मान कार्ड और आधार कार्ड बनाए गए। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने किसानों को रबी फसल के लिए उर्वरक का उठाव करने के निर्देश दिए। जिससे उर्वरक की जरूरत के समय किसानों को भटकना न पड़े और जिले में किसानों की मांग के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध किया जा सके।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बताया कि रात्रि चौपाल कार्यक्रम में सभी विभाग प्रमुख अधिकारी शासन की योजनाओं से हितग्राहियों का चयन कर उन्हें लाभान्वित करेंगे। जिससे ग्राम पंचायत पुतर्रा का कोई भी हितग्राही शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि गांव के विकास और उन्नति के लिए विस्तृत कार्ययोजना भी बनाई जाएगी, जिससे ग्राम पंचायतों का सर्वांगीण विकास किया जा सके। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल के माध्यम से घर घर तक पेयजल पहुंचाया जाएगा। इससे ग्रामीणजनों को रोजाना शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने बताया कि जिले में होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस विभाग के द्वारा भी जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने इस अभियान के तहत ऑपरेशन क्लीन स्वीप, साइबर क्राइम, हेल्पलाइन, ऑनलाइन गिरफ्तारी के संबंध में बताया। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने बताया कि जिले के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा, उपचार, निःशुल्क दवाईयां वितरण करने और शासन की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जन आरोग्यम शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जन आरोग्यम शिविरों में स्वास्थ्य की जांच कराए और शासन की योजनाओं का लाभ उठाए। उन्होंने रात्रि चौपाल में बताया कि किसान भाई लोग कृषि उत्पादन के साथ साथ पशुपालन, बकरीपालन मुर्गीपालन या मछली पालन को भी अपनाएं। जिससे किसानों की आमदनी बढ़ सके और किसान संपन्न बन सके। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने किसान भाईयों से फसल काटने के बाद नरवाई न जलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नरवाई जलाने से भूमि को उपजाऊ बनाने वाले सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं। पर्यावरण को नुकसान होता है। भूमि की उर्वरक क्षमता कम होने लगती है। जिससे फसलों का उत्पादन ज्यादा नहीं हो पाता है। इसलिए किसान भाई लोग खेतों में नरवाई को न जलाए।

पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने रात्रि चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों को साईबर अपराध के बारे में जानकारी दी और इससे बचने तथा धोखाधड़ी होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने को कहा। उन्होंने आयोजित चौपाल कार्यक्रम में नागरिकों को नशामुक्त रहने की सलाह दी, जिससे गांव-गांव नशामुक्त बन सके। वाहन चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट बांधने और बाइक चलाते समय हेलमेट पहनने को कहा। जिससे यातायात नियमों का पालन हो सके और दुर्घटना की आशंका होने पर आप सुरक्षित बच सकें। आयोजित रात्रि चौपाल कार्यक्रम में विभाग प्रमुख अधिकारियों के द्वारा नागरिकों को अपने-अपने विभाग में संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने ग्राम पंचायत पुतर्रा में लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों के नाम भी बताए और उन्हें लाभान्वित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में पशु चिकित्सा विभाग के द्वारा पशुपालन, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, कड़कनाथ मुर्गीपालन, बकरीपालन, दुग्ध उत्पादन, आचार्य विद्यासागर दुधारू पशु योजना। उद्यानिकी विभाग के द्वारा सब्जी उत्पादन, फल उत्पादन, पौधों को तैयार करने की विधि के बारे में बताया गया। मत्स्य विभाग के द्वारा मछलीपालन, तालाब निर्माण हेतु अनुदान, मोटरसाईकिल और आईसबॉक्स तालाब से बाजार तक के लिए प्रदाय किए जाने के संबंध में जानकारी दी गई। कृषि विभाग के द्वारा खाद, पोषण, सुरक्षा, बीज, सिचाई, खरीफ एवं रबी फसल में मिलने वाले अनुदान, नलकूप योजना, बीज प्रदर्शन, कस्टम हायरिंग के बारे में जानकारी दी गई। सहकारिता विभाग के द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड, एटीएम, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के बारे में जानकारी दी गई। विद्युत विभाग द्वारा, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, पीएम जनमन योजना, उन्नत ग्राम योजना सहित विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा जल जीवन मिशन, नल कनेक्शन, हैंडपंप की उपलब्धता, शुद्ध पेयजल सहित शासन की योजनाओं के बारे में बताया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा जॉबकार्ड के मजदूरी दिवस, तालाब निर्माण, स्वच्छ भारत मिशन, सामुदायिक नाडेप, प्रधानमंत्री आवास योजना, मछलीपालन, कूप निर्माण, सीसी रोड निर्माण सहित सामुदायिक कार्यों के बारे में जानकारी दी गई।

बस स्टैण्ड में अवैध सब्जी की ठेले एवं पालतू जानवरों का जमावड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

नारायणगंज के बस स्टैंड में ऑटो चालक सब्जी के ठेले जगह-जगह लगाए हुए हैं जिससे आने जाने में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कुछ सब्जी के ठेले इस तरह लगाए हुए हैं जो की मेन मार्केट के बीचों बीच अवैध कब्जा जमा हुए हैं एवं उनके बचे हुए सब्जियों को फेंकने से पूरे बस स्टैंड में बड़ी संख्या में पालतू जानवर घूम रहे हैं सब्जी ठेले वाले जानबूझकर खराब सब्जियां में मार्केट में फेंक कर चले जाते हैं जिससे सुबह से रात तक पालतू जानवर घूमते हैं इस तरह से कई बार पंचायत के माध्यम से नोटिस दी गई लेकिन अपनी गुंडागर्दी एवं जानबूझकर अवैध ठेले लग रहे हैं इन सब्जी ठेलो बालों को कई बार नोटिस दिया गया लेकिन यह लोग कानून को हाथ में लेकर बीच रोड में सब्जी लगाकर गुंडागर्दी कर रहे हैं लोगों ने इस संबंध में 181 भी लगे लेकिन शासन प्रशासन इन सब्जी ठेले बालों के सामने नतमस्तक है ठोस कार्यववाही न होने के कारण उनके हौसले बुलंद हैं इनका कोई स्थाई जगह नहीं है जब चाहे जहां सब्जी के ठेले खड़े होकर सब्जी बेचने लगते हैं बस स्टैंड से जनपद की ओर बस स्टैंड से मेन मार्केट की ओर एवं बस स्टैंड से चारों तरफ जो रोड है उन सभी रोडो में अवैध रूप से सब्जी के ठेले लगाए जा रहे हैं इन सब्जी ठेलो वालों से इस कदर परेशानी है कि रोगों का चलना भी, मुश्किल है क्योंकि मार्केट में पालतू जानवरों का कब्जा होने कारण लोगों को डर लगता है कि कोई घटना ना हो जाए इस संबंध में लगातार अधिकारियों से संपर्क करने के बाद भी कोई ठोस कार्यवाही न होने के कारण आज की स्थिति में दुगने से, अधिक बीच रोड में लगाए जा रहे हैं अगर शीघ्र इन लोगों के ऊपर कारवाई नहीं हुई तो कभी भी कोई अपरिय घटना घटने की संभावना है जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी एवं स्थानीय प्रशासन की।

फ्राइडे सिंगर्स की पांचवी वर्षगांठ पर आनंदमय गीतों की प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

फ्राइडे सिंगर्स ग्रुप की पांचवी वर्षगांठ पर स्थानीय लॉन में मनमोहक आयोजन किया गया जिसमें शामिल गायकों ने मनमोहक गीतों की प्रस्तुति दी और शाम को यादगार बना दिया, आयोजन की शुरुआत माँ सरस्वती के पूजन अर्चन से हुई इसके बाद सभी ने मिलकर राष्ट्रगान किया और देश को नमन किया, कार्यक्रम के आयोजक सदस्यों को बैच पहनाकर सम्मान किया गया, इसके उपरांत क्रमशः गायकों ने अपनी आवाज की बेहतर प्रस्तुति दी और सुरीले गीतों की पेशकश की, इस अवसर पर चंद्रेश खरे ने ये मेरा प्रेम पत्र पढ़कर तुम नाराज ना होना, गीता काल्पीवार ने मेरे महबूब, मृदुला काल्पीवार ने बइया न धरो, नीलम खरे ने ये जिंदगी, सीमा अग्रवाल ने तुम मुझे यूं, मुक्ता शर्मा ने बड़ा दुख दीना,मीना शुक्ला ने बाहों मैं चले आओ, प्रवीण बाजपेयी ने इस तरह मोहब्बत, महेश नामदेव ने रुख से ज़रा, जया सराफ ने रैना बीती जाए, कीर्ती बाजपेयी ने कुछ न कहो,रजनी खरबंदा ने तुमको पिया, प्रसन्न सराफ ने कौन है जो, राजेश अग्रवाल ने मैं एक राजा हूं, सुनील साहू ने जानेमन

जानेजां, स्नेहा चंदानी ने तू इस तरह से, मुकेश वीरानी ने पुकारता चला,बबीता चौकसे ने तेरा मेरा प्यार, निशांत यादव ने चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल, दिव्या खत्री ने जब तक मैंने समझा, योगेन्द्र तिवारी ने इससे पहले कि, पूर्णिमा चौधरी ने बहारों मेरा जीवन, सलीम खान ने हुई शाम, प्रदीप तिवारी ने बिखरा के जुल्फें चमन में, आयुष उपाध्याय ने नादान परिंदे, पारस तिवारी ने क्या मुझे प्यार है, इसके साथ ही विधि मिश्रा, आदित्य शुक्ला, नमन राज जैन,अमान खान, शयान खान, रोमासन पास्कल एवं अन्य जनों ने मंच पर गीतों की बेहतर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम प्रभारी आलोक शुक्ला, राजेंद्र शर्मा, शक्ति क्षेतीजा, चंद्रेश खरे, रम्मू चंदानी, अभिषेक अग्निहोत्री ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर ने निःक्षय जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शनिवार को जिला योजना भवन परिसर में निःक्षय जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। निःक्षय जागरूकता रथ मंडला जिले में टीबी जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता का प्रचार करेगी। निःक्षय जागरूकता रथ के माध्यम से गांव-गांव और कस्बों में जाकर लोगों को टीबी के लक्षण, इलाज और इससे बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। इसका उद्देश्य लोगों को टीबी के उपचार के लिए निःशुल्क सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करना है। निःक्षय जागरूकता रथ में स्वास्थ्य कर्मियों की टीम भी है, जो लोगों से संवाद कर उन्हें टीबी की गंभीरता के बारे में बताएगी। यह अभियान सरकार की टीबी मुक्त भारत योजना के तहत चलाया जा रहा है। निःक्षय जागरूकता रथ जन-जागरूकता का एक सशक्त माध्यम है। निःक्षय जागरूकता रथ को नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट ने भी हरी झंडी दिखाया।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने नर्मदा नदी के वैद्यघाट में साफ सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने माँ नर्मदा नदी के जल को स्वच्छ व निर्मल रूप से प्रवाहित करने और तटों को साफ सुथरा रखने के लिए नमामि नर्मदे सेवा अभियान प्रारंभ किया है। इस अभियान के तहत प्रत्येक शनिवार को सभी अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी, व्यापारी, स्वयंसेवी संस्थाएं, जनप्रतिनिधि, पत्रकार और नागरिकगण नर्मदा नदी के घाटों से कूड़ा करकट हटाकर, साफ सफाई व श्रमदान करते हुए लोगों को स्वच्छता की समझाईश देते हैं। जिससे कोई भी नागरिक या श्रद्धालु नर्मदा नदी में दूषित सामग्री या पूजन सामग्री को प्रवाहित न करें। नर्मदा नदी के तटों में कूड़ा करकट न डालें। नर्मदा नदी में गंदे कपड़े न धुलें और अनुपयोगी सामाग्री न डालें। नर्मदा नदी के तटों को हमेशा साफ व स्वच्छ रखें। इस अभियान के तहत लोगों को बताया जा रहा है कि कचरे को इधर उधर न फेककर कचरा संग्रहण वाहन में ही डालें। जिससे नर्मदा नदी के तट साफ सुथरे रहें। इस अवसर पर बैद्यघाट में झाड़ू लगाकर साफ सफाई कर कचरा एकत्रित किया गया और घाट में सीढ़ियों पर जमा मलबा को अलग कर एवं कचरे को संग्रहण कर ट्रेक्टर में भरकर ले जाया गया। बैद्यघाट में पॉलीथीन, प्लास्टिक सामग्री और अन्य कचरों को हटाने की कार्यवाही की गई। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा और पार्षद, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, मुख्य नगरपालिका अधिकारी गजानंद नफाडे, जिला कार्यक्रम अधिकारी रोहित बड़कुल, सीएमएचओ डॉ. केसी सरौते, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी, विकासखंड समन्वयक प्रस्फुटन समिति नवांकुर, संस्थाओं के प्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारियों ने इस अभियान में शामिल होकर बैद्यघाट की साफ सफाई की।

फर्जीवाड़ा | जमा की गई रकम खातों में नहीं दर्शायी गई।

शिवांगी इंडियन निधि लिमिटेड में लाखों का फर्जीवाड़ा

*** कुछ के तो खाते ही नहीं खुले।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

रोजाना थोड़ी-थोड़ी बचत कुछ समय में इतनी रकम हो जाती है कि मुसीबत के वक्त वह लोगों के काम आती है। यही कारण है कि एजेंटों के माध्यम से रोजाना जमा होने वाले खातों से लोगों का मोह लगा रहता है लेकिन जब यह ज्ञात हो कि हमनें जो रकम जमा की है उसका तो बैंक में कोई हिसाब ही नहीं तो फिर मुसीबत जमाकर्ताओं की बढ़ जाती है एजेंट द्वारा पैसा तो लिया गया लेकिन खाते में जमा नहीं किया और कुछ के तो खाते ही नहीं खोले सिर्फ डायरी में कच्चा हिसाब नजर आ रहा है अब देखना होगा पेट काट-काटकर जोड़ी गई रकम क्या मय ब्याज के मिल पायेगी या फिर एक नया फर्जीवाड़ा दर्ज होगा।

नारायणगंज क्षेत्र में विगत डेढ़ वर्षों से शिवांगी इंडिया निधि लिमिटेड बैंक खुला है जिसमें डेली कलेक्शन एजेंट द्वारा किया जाता है जिसमें लोगों की मेहनत से कमाई हुई धनराशि बैंक में एजेंट द्वारा जमा कराकर उन्हें पासबुक दिया जाता है विगत माह से जिन लोगों के पासबुक में खाता की राशि पूर्ण हो चुकी है उन्हें निकलवाने के लिए हितग्राही द्वारा बैंक जाकर पता चलता है कि उनके जमा की हुई राशि में किसी के खाते में आधे पैसे तो किसी का खाता खुला भी नहीं है और पासबुक बनाकर बैंक के एजेंट द्वारा दिया गया उनके द्वारा डेली कलेक्शन करके ब्रांच में जमा करने के लिए दिया जाता था परंतु एजेंट द्वारा कई लोगों के खातों में पैसे नहीं जमा किए जब अवधि पूर्ण होने पर पता चलता है कि हमारी राशि एजेंट द्वारा आधी ही जमा की गई है कुछ हितग्राहियों के खाते खोले गए परंतु कंप्यूटर में उनका रजिस्ट्रेशन नहीं दिख रहा है उनको जानकारी तब लगी जब उन्हें अपनी पूर्ण राशि निकलवाने के लिए बैंक जाना पड़ा इस संबंध में बैंक मैनेजर एवं उनके हेड ब्रांच झरिया द्वारा कहा गया कि हमने एजेंट को बुलाकर उनसे सब जानकारी ले रहे हैं परन्तु 6 महीने हो गए जमाकर्ताओं को उनकी राशि नहीं दी जा रही है मजबूरी बस उन्हें रिपोर्ट एसपी कार्यालय एवं थाना टिकरिया में दर्ज करानी पड़ी जिसमें लोगों के लाखों रुपए का फर्जीवाड़ा समझ में आ रहा है इस तरह से नारायणगंज के आसपास क्षेत्र में ऐसी कई चिटपट कंपनियां कई सालों से महिलाओं के समूह को अधिक राशि में पैसा जमा कर के उनके साथ फर्जीवाड़ा कर अधिक ब्याज राशि वसूल की जाती है, एजेंटो द्वारा पूछे जाने पर कहा जाता है कि हमने जो राशि हितग्राहियों से कलेक्शन की है वह ब्रांच में लाकर जमा की गई है परंतु वहां पर क्यों आधी राशि दर्शायी गई इसकी जानकारी नहीं है।

खबर संक्षेप

सड़क किनारे खड़े राहगीरों को चार पहिया वाहन ने मारी टक्कर

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नरसिंहपुर के बेलापुरकर वार्ड निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब बीते हुये दिवस मैं अपनी माँ संगीता मराठा व दशरथ गौड के साथ मजदूरी का काम करने के लिये गाडरवारा आये थे और वापिस मो.सा. से जा रहे थें तो हम लोग गरधा मोड के पास पहुंचे तभी हमें हरिशंकर कहार एवं दीपेश कहार मिलने के कारण हम अपनी मोटर साईकिल को सड़क किनारे खड़ी करके बाद करने लगे उसी दौरान एक चार पहिया गाड़ी क्रमांक MP20ZM3801 के चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये सड़क किनारे खड़े हुये दशरथ गौड़, हरिशंकर कहार, दीपेश कहार तथा संगीता मराठा को टक्कर मारते हुये चोट पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

कपड़ा विक्रेता के साथ की गई मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम बसुरिया निवासी प्रीतम पिता फूलचंद नामक उम्र 44 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस जब मैं अपने घर के सामने खड़ा था तभी गाँव के ही देवेश स्लोकिया एवं राजकुमार नगपुरिया शराब के नशे में आये और पुरानी बुराई की बात पर से गंदी गंदी गालिया देने लगे। जब उन्हें मैने गाली देने से मना किया तो मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। उसी दौरान जब मेरा भतीजा राहुल घर के अंदर खाना खा रहा था तो उसके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा भतीजी को धक्का देते हुये गिराने से चोट पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

झूमा झटकी करते हुये पहुंचाई चोट

गाडरवारा। सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम पनागर निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने खेत पर था उसी समय ग्राम पनागर ही निवासी पंचम साहू अपने हाथ में फारसा लेकर आया और किसी बात को लेकर गंदी गंदी गालिया देते हुये झूमा झटकी करते हुये चोटे पहुंचाते हुये जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पुरानी बुराई को लेकर की गई मारपीट

गाडरवारा। पुलिस कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ कौड़िया बाजार मुहल्ला निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि में कपडा की दुकान चलाता हूँ। मेरा लगभग 3 माह से कौडिया के ही रहने वाले मनीष अग्रवाल से पुराना विवाद चल रहा है । वही बीते हुये दिवस जब में अपनी दुकान के पास खडा हुआ था तभी मनीष अग्रवाल शराब के नशे में वहाँ आया और पुरानी बुराई को लेकर मुझे माँ बहिन की गंदी गंदी गालि देने लगा जो सुनने में बुरी लगी। इसके बाद मनीष अग्रवाल मुझसे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगा मैने पैसे देने से इंकार किया तो मार पीट कर चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई।

तलवार चमकाते हुये घर के दरबाजे को तोड़ने का प्रयास करने वालों पर मामला दर्ज

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कौडिया निवासी विनय मोहन पिता हर नारायण अग्रवाल उम्र 60 वर्ष द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब बीते हुये दिवस मै अपने घर पर था उसी समय मेरे घर के सामने एक कार आकर खडी हुई जिसको सुमित अग्रवाल चला रहा था उसमें से श्रीयांक अग्रवाल एवं सुधीर अग्रवाल कार से उतरे और मेरे घर के सामने दरवाजे पर खडे होकर गंदी गंदी गालिया देने लगे तथा श्रीयांक अग्रवाल मेरे घर के दरवाजे में जोर जोर से लात मारने लगा तथा दरवाजा नही खुलने पर हाथ में रखी हुई तलवार से दरवाजे पर मारने लगा बोल रहा था कि बाहर निकल आज तेरे को जान से खत्म कर दूंगा देखता हूँ।

प्रशासन की अनदेखी के चलते इस तरह की स्थिति देती है पानी टंकी के पास घटित हुई वारदातों को जन्म

रातों रात स्थापित हो गये वन विभाग कार्यालय के मुख्य द्वारा के बाजू में अतिक्रमण करते हुये अनेक हाथ ठेले

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। यदि किसी बीमारी को फैलने के पहले ही उसका इलाज कर दिया जावे तो उस बीमारी को जानलेवा होने से रोका जा सकता है। मगर बीमारी की अनदेखी किये जाने का परिणाम होता है कि वह बाद में इस प्रकार का रूप धारण कर लेती है कि फिर उसे भगा पाना मुश्किल हो जाता है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर की शासकीय भूमि पर लगातार हो रही अतिक्रमण रूपी बीमारी को देखते हुये जान पड़ रहा है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि समय समय पर प्रशासन के अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलाते हुये कार्यवाही की जाती है जिसमें प्रशासन का काफी हद तक पैसा बर्बाद होता है और प्रशासनिक अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने पर राजनैतिक नेताओं के कोप का शिकार भी होना पड़ता है? मगर वही अधिकारी शासकीय भूमि पर होने वाले अतिक्रमण के शुरूआती तौर से जिस तरह से चुप्पी साध लेते है उसके चलते अतिक्रमणकारियों को सह मिलने से उनके हौसले बुलंद हो जाते है और शासकीय भूमि अतिक्रमण की भेंट चढ़ जाती है? कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के रेल्वे स्टेशन की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग यानि की नगर के वन विभाग कार्यालय के पास देखने मिल रहा है। जहां पर रातों रात जिस तरह सड़क किनारे आधा दर्जन से भी अधिक टपरे स्थापित हो चुके है। क्योंकि जब बीते हुये शुक्रवार की रात यहां पर निवास करने वाले लोग रात के समय सोये हुये थें तो कुछ नही था मगर जब सुबह जागकर देखा तो एक नई चौपाटी तैयार हुई दिखाई देने लगी। इस तरह मुख्य सड़क किनारे वन विभाग कार्यालय के मुख्य द्वारा से लगे हुई इस भूमि पर जिस रातों रात अतिक्रमण होने के बाद इस ओर न तो वन विभाग के अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही नगर के जिम्मेदार राजस्व तथा नगर पालिका प्रशासन द्वारा ध्यान दिये जाने के चलते इन अतिक्रमणकारियों के हौसले इतने बुलंद नजर आ रहे है कि यहां पर स्थापित होने वाले टपरों की संख्या में इजाफा होते हुये देखा जा रहा है। शनिवार की सुबह दिन समय लोगों ने देखा कि रात के समय स्थापित किये इन टपरों को अतिक्रमणकारियों द्वारा संचालित करने के लिये सुसज्जित व्यवस्था बनाने में मग्न रहते हुये देखा गया। हैरत की बात यह है कि इस शासकीय भूमि से चंद कदम दूरी पर जहां वन विभाग कार्यालय लगा हुआ है जिसमें छोटे से लेकर बडे अधिकारियों की मौजूदगी इसलिये बनी रहती है क्योंकि वहां पर उनका निवास स्थान भी है तो दूसरी ओर रेल्वे स्टेशन के लिये मुख्य मार्ग होने के चलते दिन भर इस रास्तें से राजस्व विभाग के आर आई से लेकर पटवारी व बडे अधिकारियों को आना जाना लगा हुआ देखे जाने के बाद भी अतिक्रमण की बढ़ती हुई गति पर अंकुश लगाने के लिये किसी भी जिम्मेदार विभाग द्वारा प्रयास नही किये जाने के चलते अब सबाल यह पैदा होने से नही चूक रहा है कि इस तरह सरकारी भूमि पर रातों रात स्थापित हुये अतिक्रमण कारियों को क्या राजनैतिक संरक्षण मिल रहा है या फिर प्रशासनिक जिसके चलते सच्चाई को नजर अंदाज किया जा रहा है..? खैर सच्चाई जो भी हो मगर नगर में शासकीय भूमि सड़क किनारे इस तरह स्थापित हो रहा अतिक्रमण ही पानी टंकी के पास घटित हुई घटनाओं को अंजाम देने से नही चूकता है..? क्योंकि यह मार्ग नगर के रेल्वे स्टेशन जाने के लिये प्रमुख होने के चलते जहां यहां से दिन रात वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। वही दूसरी ओर वनवे मार्ग होने के चलते आने जाने वाले वाहन दोनों साइडो से निकलते है। इस स्थिति में सड़क किनारे अतिक्रमण करते हुये स्थापित हुई इन दुकानों पर जब ग्राहकों की भीड़ उमड़ेगी तो उनके वाहन सड़क पर ही खड़े होगे जिसके चलते यातायात व्यवस्था प्रभावित होने से नही चूकेगी। वही दूसरी ओर यहां पर दिन भी आवारा गर्दी वालों की भीड़ एकत्र होने के चलते पानी टंकी चौपाटी जैसे हाल बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? वही दूसरी ओर इस चीचली तरहा से रेल्वे स्टेशन तक सड़क किनारे फैले हुये अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यहां पर कहने के लिये तो अनेक लोगों के लिये शासन द्वारा पट्टे प्रदान किये गये है। मगर उन पट्टो की जांच की जावे तो वह पट्टे आवासीय के नाम पर प्राप्त होने के बाद उन पर नियम विरूद्व व्यवसायिक रूप से दुकाने खड़ी करते हुये किराये से चलाते हुये पैसा बसूले जा रहे है। यदि यहां पर शासन द्वारा प्रदान किये गये पट्टो की जांच की जावे तो चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी..? मगर हैरत की बात है कि इस तरह नगर में सड़क किनारे फैल रहे अतिक्रमण को जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि नगर में अपराधिक घटनाये जन्म लेने से नही चूक पा रही है। इस तरह लगातार हो रहे अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह बात झूठ नही होगी कि जिम्मेदार अधिकारियों की नाक के नीचे खुलेआम शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का जाल बिछ रहा है और वह अपनी आंखे बंद किये हुये है..? क्योंकि जिस जगह इस समय शासकीय भूमि अतिक्रमण के भेंट चढ़ाते हुये देखी जा रही है वह नगर के विश्राम गृह के ठीक सामने तथा वन विभाग के मुख्य द्वारा के पास होने के कारण यहां पर अनेक जिम्मेदार अधिकारियों का आना जाना लगा रहता है। इसके बाद भी अतिक्रमण को नजर अंदाज करना निश्चित अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े करने से नही चूक पा रहा है। वही दूसरी ओर इस तरह सड़क किनारे अतिक्रमण करने वालों की चालबाजी कही जावे या फिर अधिकारियों की सह का परिणाम जिसके चलते वह अतिक्रमण करने के लिये शनिवार स रविवार का दिन ही प्रमुख रूप से चुनते है जिसके चलते अवकाश होने के कारण अधिकारियों द्वारा सूचना दिये जाने के चलते जानकारी को अनदेखा कर दिया जाता है जब तक अतिक्रमणकारी अपने अतिक्रमण को मजबूती प्रदान कर चुके होते है। यही सच्चाई इस समय वन विभाग कार्यालय के पास बढ़ रहे अतिक्रमण में देखने मिल रही है।

शाम होते ही रेलवे गेट से लेकर कान्हरगांव मार्ग पर जम जाती है शराब खोरी करने वालो की महफिले, क्षेत्रवासी हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र में आसामजिक तत्वों की हरकतों से लोग लगातार परेशान हो ही रहे है। वही दूसरी ओर पुलिस की कार्यप्रणाली पूर्णरूप से सुस्त होने के कारण अपराधिक प्रवृति के लोगों का मनोबल लगातार बढ़ता ही जा रहा है। यदि गौर किया जावे तो शाम होते ही नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में जिस प्रकार से शराबियों की महफिले जम रही है, उसके चलते आम लोगों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के पुराने कालेज ग्राउंड सहित पुराना कालेज भवन से लेकर चीचली की ओर जाने वाले मार्ग का रेलवे गेट के पास पास अतिक्रमण करते हुये स्थापित की गई दुकानों सहित वायपास मार्ग इस समय शराबियों के लिए प्रमुख अड्डा बन चुका है..? वही नगर का नव निर्मित स्टेशन से सोया प्लांट वाला बायपास मार्ग पर शाम होते ही शराबियों की हरकतों से लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है? वही बताया जाता है कि रेल्वे स्टेशन से ग्राम कान्हरगांव जाने वाले मार्ग पर शाम होते ही शराबियों द्वारा अपना अड्डा बना लेने के कारण इस क्षेत्र के ग्राम कान्हरगांव, महगंवा कला, महगंवा खुर्द सहित अन्य गांवो लोग जब देर शाम इस मार्ग से गुजरते है तो इन शराबियों द्वारा ग्रामीणों के साथ अभद्रता करते हुए परेशान किया जाता है, जिसमें अक्सर देखा जाता है कि जब शाम के समय क्षेत्र के लोग यदि किसी ट्रेन से उतर कर अपने गांव परिवार के साथ जाते है तो इन शराबियों की हरकतों के चलते महिलाओं के साथ अभद्रता करते हुए उन्हें खुलेआम अपमानित करने से नही चूकते है? इनता ही नही कभी कभी तो यह स्थिति तक देखने मिलती है कि कुछ मनचले युवकों द्वारा जहां महिलाओं के साथ छेड़खानी तक कर दी जाती है वही लोगों से रूपया तक छीनने की चर्चा सुनने में आने लगी है? बताया जाता है कि इन लोगों द्वारा क्षेत्र के ग्रामीणों से पैसा छीनने के बाद उन्हें खुलेआम धमकी दी जाती है कि यदि पुलिस में शिकायत की गई तो ठीक नही होगा। इस डर के चलते जहां ग्रामीणों द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायते करने की हिम्मत नही जुटा पाते है? वही दूसरी ओर स्टेशन से ग्राम कान्हरगांव जाने वाले मार्ग पर शाम होते ही इन शराबियों की महफिले जमने के कारण क्षेत्र के लोग दहशत में आने के कारण इस मार्ग से निकलने में तक दहशत में दिखाई देने लगे है। इस प्रकार से खुलेआम इन असामाजिक तत्वों की हरकतों से लोग परेशान हो रहे है। मगर पुलिस द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया जा रहा है? यदि पुलिस चाहे तो शाम के समय अचानक गस्त मारते हुए इन शराबियों की हरकतों से स्वयं देख सकती है। मगर पता नही पुलिस द्वारा इनके खिलाफ कदम क्यों नही उठाया जा रहा है? इस प्रकार से देखा जा रहा है कि ग्राम कान्हरगांव स्टेशन मार्ग सहित नगर के वायपास मार्ग व नगर के अन्य जगहों पर लगातार बढ़ रही शराबियों की हरकतों के चलते क्षेत्र के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, शाम के समय शराब पीने के बाद इन लोगों द्वारा मुख्य सड़क पर कांच की बोतले फोड देने के कारण सुबह स्कूल आने वाले छात्र छात्राओं को उन टूटे कांचो से घायल तक होना पड़ रहा है, अनेक बार तो देखा जाता है कि टूटे पड़े इन कांच के टुकड़ो से सुबह की पारी में स्कूली बच्चों की साईकिले पंचर होने के कारण उन्हें परेशान होते हुये देखा जाता है।

मधुर हत्याकांड में पुलिस द्वारा कार्यवाही में आखिर पत्रकारों के समक्ष खुलासा करने में क्यों किया जा रहा है परहेज..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर की पानी टंकी के पास स्थित चौपाटी में बीते हुये शुक्रवार को मधुर चौरासिया नाम युवक की बेरहमी के साथ की गई हत्या के बाद पुलिस द्वारा दूसरे दिन आरोपी को हिरासत में लेते हुये जिस तरह घटना स्थल पर ले जाकर अपनी कार्यवाही के तहत घटना की पुनरावृति कराई गई थी जिससे यह बात तो स्पष्ट हो चुकी है कि पुलिस द्वारा आरोपी को पकड़ लिया गया है। इस प्रकार से पुलिस द्वारा आरोपी को अपनी हिरासत में लिये हुये 24 घंटे से अधिक का समय बीते चुका है तो निश्चित तौर से पुलिस द्वारा उसे गिरफ्तार करते हुये मा.न्यायालय में समक्ष पेश करते हुये जेल भी पहुंचा दिया गया होगा..? मगर इसके बाद भी पुलिस द्वारा अभी तक इस बात का खुलासा नही किया गया है कि आखिरकार इस घटना का कारण क्या था और आरोपी द्वारा घटना को अंजाम क्यों दिया गया..? इस तरह आमजन के बीच हत्याकांड की गुत्थी अभी भी अनसुलझी हुई देखी जा रही है। वही दूसरी ओर जिस तरह पुलिस द्वारा इस मामले की जांच की जा रही थी उस दौरान घटना स्थल से लेकर अन्य जगहों से मीडिया को पहुंचने से रोका जा रहा था जिससे यह प्रतीत होने से नही चूक रहा था कि शायद पुलिस द्वारा मीडिया से परहेज किया जा रहा है। मगर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि पुलिस द्वारा इस हत्या कांड के आरोपी को अपनी हिरासत में लेते हुये घटना स्थल पर लेकर घटना की जांच के दौरान सच्चाई जानने के लिये घटना स्थल पर पुनरावृति कराई गई थी उसे 24 घंटे से अधिक का समीय बीते चुका है। इस स्थिति में निश्चित ही पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करते हुये मा.न्यायालय के समक्ष भी पेश किया जा चुका होगा तो फिर संपूर्ण घटनाक्रम का खुलासा करने में मीडिया से पुलिस की दूरी सबाल खड़े करने से नही चूक रही है। यह बात अलग है कि जिस तरह अपनी कार्यवाही के दौरान पुलिस द्वारा आरोपी को अपनी हिरासत में लेने के बाद घटना स्थल पर ले जाया गया था जिससे यह सभी लोग जान चुके है कि आरोपी कौन है तथा कुछ हद तक हत्या कांड के कारणों की जानकारी भी मिल चुकी है। मगर अभी तक हत्या कांड के कारणों से लेकर संपूर्ण कार्यवाही की सच्चाई से मीडिया को पुलिस द्वारा अपनी ओर से किसी तरह न तो प्रेस वार्ता आयोजित करना उचित समझा गया है और न ही कोई जानकारी उपलब्ध कराई गई है। जबकि देखा जाता था कि पुलिस द्वारा कही एक या दो ग्राम मादक पदार्थ पकड़ा जाता था तो बडे बडे प्रेस नोट जारी किये जाते थें। मगर इस अंधे हत्या कांड की गुत्थी सुलझाने के लिये की गई कार्यवाही में पुलिस की मीडिया से दूरी निश्चित तोर से सबालों को जन्म देते हुये जान पड़ रही है..? यह बात अलग है कि घटनाक्रम को लेकर आमजन के माध्यम से पत्रकारों को काफी हद तक जानकारियाँ प्राप्त हुई है। मगर इसके बाद भी घटना की सच्चाई को लेकर अनेक अनसुलझे सबाल शेष बचे हुये है जिसको नगर की जनता जानना चाहती है कि आखिर कार आरोपी द्वारा युवक की जिस बेरहमी के साथ हत्या की गई उसके सही कारण क्या है..? क्योंकि जनचर्चाओं के अनुसार बताया जाता है कि आरोपी द्वारा पहले तो मधुर के गले पर उस्तरा से बार किया गया था और इसके बाद उसके सिर पर निर्ममता के साथ पत्थर पटकते कुचला गया था..। वही दूसरी ओर घटना से जुडा हुआ ही मृतक द्वारा पुलिस थाने में दिया गया एक आवेदन भी सोशल मीडिया पर वायरल होने के कारण चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रहा है? इस तरह मामले को लेकर गाडरवारा थाना पुलिस द्वारा हत्याकांड के कारणों से लेकर की गई कार्यवाही तथा पकडे गये आरोपी का खुलासा नही किये जाने के कारण अनेक अनसुलझे सबाल पैदा होने से नही चूक पा रहे है..? कही ऐसा तो नही गाडरवारा पुलिस इन्ही अनसुलसे सबालों के जबाव से बचने के लिये पत्रकारों से दूरी बनाई जा रही है या फिर गुपचुप तरीके से पुलिस द्वारा हत्या कांड का खुलासा करने की औपचारिकता स्थानीय पत्रकारों से दूरी बनाते हुये 55 किलोमीटर दूर कर दी गई है..? खैर सच्चाई जो भी हो मगर मधुर हत्या कांड के कारणों तथा पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही की सच्चाई जानने के लिये नगर की आम जनता पुलिस इंतजार करते हुये देखी जा रही है?

पढ़ लिखकर रोजगार के अभाव में युवा अपने आपकों परिजनों के प्रति महसूस कर रहे बोझ..?

हरिभूमि न्यूज/ चीचली। नौजवानो में कुछ नया करने का जज्बा और समाज में बदलाव लाने की ताकत होती है,किन्तु जब उन्हे सम्मान,कोई काम नही मिलता है तो उम्मीदों से भरी उनकी आँखो की चमक गायब होने लगती है और उनकी सक्रियता खत्म होने से वे परिवार पर बोझ बनने के साथ ही कुंठित होने लगते है। बदनसीबी की बात है कि शहर व क्षेत्र के गांवो में इन दिनों महँगाई के अलावा युवाओं की बेरोजगारी की समस्या आमलोंगो को परेशान कर रही है। बताया गया है कि क्षेत्र में कालेजों से डिग्रियाँ लेने वाले हजारों युवा लम्बे अरसे से बेरोजगारी का दंश झेल रहे है, हालत यह है कि जिला रोजगार कार्यालय में वर्षो से पंजीयन कराने के बाद भी उन्हे ऐसी छोटी नौकरी भी नही मिल पा रही है,जिसके सहारे वे अपने घरो में खुशिया बिखरा सके , शहर के हालात पर यदि नजर डाली जाए तो यह सच्चाई उभरकर सामने आने लगी है कि शहरों में चलने वाले कोचिंग सेन्टरो, महाविद्यालय, स्कूलो, सायवर कैफो से किताबी, तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर हर वर्ष हजारों की तादाद में युवा निकलते है, पर वह प्रतिभा वान होने के बावजूद उनको नौकरी की तलाश में दर दर भटकना पड़ता है, इनमें से कुछ नौजवान अनचाहा धंधा करने लगते हैं और कुछ शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रायवेट शिक्षण संस्थाओं के फैले शोषण के जाल में उलझ कम तनख्वाह लेकर बच्चों को पढ़ानें लगते है और बहुत से बेरोजगार युवा ऐसे भी होते है जो बेकारी से तंग होकर मजबूरी वश ऐसे अवैध काम करने लगते है, जो उनके स्वभाव के विपरीत होते है। क्षेत्र में बेरोजगारो की संख्या में ईजाफा होने के कारण नौजवानो के भविष्य को लेकर अब क्षेत्र में चिंता की लहर दौड़ती प्रतीत हो रही है। विदित हो कि क्षेत्र में जब फैक्ट्रियाँ लगी थी, तो ऐसा लगा था कि क्षेत्र में नए रोजगार के अवसरो का सृजन होगा, लेकिन दुर्भाग्य से उक्त उपक्रमो में क्षेत्रीय नौजवानो को 25 प्रतिशत भी नौकरियाँ नसीब नही हुई? जिसका नतीजा है कि क्षेत्र में निरंतर बेरोजगार युवाओं की फौज बढ़ती रही और बेरोजगारी की समस्या ने जाटिल रूप धारण कर लिया। गौरतलब है कि आमतौर पर नौजवान स्वाभिमानी, जोशीले होते है, इसलिए बेकारी से तंग होने के बावजूद वे अपने दर्द का इजहार करने में संकोच करते है मगर इस उलट हकीकत यह रहती है कि नेता व साधन सम्पन्न बेरोजगार युवाओं को उपेक्षित करने लगते है तथा उनकी जिंदगी में कुछ नया करने की उमंग क्षीण होने लगती है, इस प्रकार से देखा जावे तो क्षेत्र में बेकार युवाओं की तादाद बढ़ते जाना सचमुच चिंताजनक बात है क्षेत्र में रोजगारोन्मुखी शिक्षा की व्यवस्था, सरकार स्तर के नए, औद्योगिक प्रतिष्ठान, रोजगार के अवसरो के सृजन, बेरोजगार युवाओं के हो रहे आर्थिक शोषण पर अंकुश लगाना अब समय की मॉग है, जिस पर तवज्जो देकर जनप्रतिनिधियो, शासकीय अधिकारियो, समाजसेवी संस्थाओं को क्षेत्र मिटाने सार्थक कदम उठाना चाहिए ताकि क्षेत्र के हर शिक्षित नौजवान को नौकर मिल सके और वह गर्व के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सके।

चंद मिनिट का इंतजार करने की जगह अपनी जान जोखिम में डालते हुये पार की जा रही रेल्वे लाईन, किशोरों में पड़ रहा विपरीत असर

हरिभूमि न्यूज/मनकवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार द्वारा रेल्वे लाईनों को पार करने के लिये जहां तहां रेल्वे गेंट लगाते हुये उन्हें खोलने व बंद करने के लिये अपनी कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है, जिससे किसी भी ट्रेन के आने के पहले वह रेल्वे गेंटों को बंद करते हुये लोगों को इस बात के लिये सचेत कर सके कि वह रेल पटरी को पार न करे। मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से पढ़े लिखे हुये लोगों को रेल्वे गेंट बंद रहने के बाद भी वह अपने वाहनों सहित रेल्वे गेटों के नीचे से वाहन निकालते हुये देखे जाते है निश्चित तौर इस तरह की हरकत खुद की जिन्दगी को खतरे में डालने के साथ युवा पीढ़ी को भी इस प्रकार से नियम विरूद्व कार्य करने के लिये प्रेरित करने से नही चूक रहे है? चंद मिनिट रूकने की जगह उनके द्वारा की जाने वाली यह हरकत निश्चित तौर से रेल प्रशासन के नियमों के विपरित होने के साथ साथ कुछ की जिन्दगी को खतरे में डालते हुये देखी जा रही है। इस बात की सच्चाई आये दिन गाडरवारा करेली के राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर पड़ने वाले मनकवारा रेल्वे गेट पर आये दिन देखने मिली है। बताया जाता है कि जब ट्रेन आने के कुछ मिनिट पूर्व रेल विभाग के कर्मचारियों द्वारा यहां की रेल पटरियों को पार करने से रोकने के लिये गेट को बंद कर दिया जाता है। मगर उस दौरान देखा जाता है कि अक्सर अनेक जागरूक माने जाने वाले पढ़े लिखे लोगों द्वारा जिस तरह अपनी मोटर साईकिलों को गेट के नीचे से निकलते हुये देखा जाता है उससे उनकी जिन्दगी तो खतरे में पड़ ही रही है साथ ही साथ उनके द्वारा शासन के नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुये की जाने वाली इस हरकत का निश्चित तौर से युवा पीढ़ी पर भी बुरा असर पड़ने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि जब युवा वर्ग समझदार माने जाने वाले अपने अभिभावकों व वरिष्ठजनों की इस हरकत तो देखते हुये उन्हें बंद रेल्वे गेट के बाद भी अपने वाहनों सहित पटरी पार करते हुये देखते है तो उनके दिलों में इस प्रकार से नियमों की धज्जियाँ उड़ाने की प्रेरणा घर कर जाती है और वह भी इसी प्रकार की कार्य प्रणाली को अपनाने से नही चूकते है जो एक दिन बड़ी घटना के रूप में सामने आती है? इस प्रकार से बंद रेल्वे गेट को अपने वाहनों सहित पार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही होना चाहिये तभी लोगों द्वारा रेल विभाग के नियमों की धज्जियाँ उड़ाने वालों की इन हरकतों पर अंकुश लग पायेगा?

कौडिया सहित आसपास के कई गांवों में खुलेआम बिक रहे हैं मादक पदार्थ, स्मैक ने भी पांव पसारना शुरू किया?

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। इस समय क्षेत्र में पूर्णरूप से आराजकता का माहौल निर्मित होता जा रहा है, इसे पुलिस की उदासीनता कहा जावे या फिर मिली भगत का परिणाम ? अब सच्चाई जो भी मगर इस समय कौड़िया सहित कई गांवों में खुलेआम जहां अफीम व गांजे सहित स्मैक पावडर की अवैध बिक्री होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है? वही क्षेत्र में स्मैक जैसा जहर ने भी बडे स्तर पर अपने पैर पसारना शुरू कर दिया है। जिसमें कारण इसके गिरप्त में कई युवक आते जा रहे है। जनचर्चाओं से पता चल रहा है कि इन अवैध धंधों के चलते ही क्षेत्र में देह व्यापार भी खुलेआम पनपने लगा है, जिसका खुला नजारा बाहर से आने वाली छैल छबीली युवतियाँ लोगों के खेतों पर बने कुओं के मकानों व अन्य स्थानों पर अपनी फीस के बदले सेवाये प्रदान करने की चर्चाये आये दिन सुनाई देने से नही चूक रही है? आम जन की माने तो यह युवतियाँ शहरों से आकर क्षेत्र का महौल बिगड़ने में पीछे नही..? क्योंकि इनकी सुन्दरता के चलते युवक इनकी एक मुस्कान के दीवाने होकर बर्बादी की कगार पर जा रहे है। इस संबंध में पुलिस की भूमिका को लेकर लोगों का कहना है कि या तो पुलिस उदासीन हो रही है या फिर पुलिस की मिली भगत का ही परिणाम है जिसके कारण कौडिया क्षेत्र में यह सब खुलेआम चल रहा है। जिस प्रकार से कौडिया सहित आस पास के क्षेत्र में खुलेआम मादक पदार्थो की बिक्री, देह व्यापार व क्षेत्र में जुआ सहित सट्टे का अवैध कारोबार धडल्ले के साथ चल रहा है और पुलिस को पता न हो ऐसा होना मुश्किल है? इससे यह बात पूर्णरूप से स्पष्ट नजर आ रही है कि इस प्रकार के कृत्य बगैर पुलिस की मिली भगत से संभव नही हो सकते है? जिस प्रकार से यह कृत्य हो रहे है, इन्ही का परिणाम है कि क्षेत्र में चोरी जैसे व अन्य अपराधिक घटनाएं भी घटित हो रही है, यदि समय रहते पुलिस अधिकारियों द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित तौर एक कौडिया क्षेत्र स्मैक पावडर सहित अन्य मदाक पदार्थो के साथ साथ देह व्यापार का एक प्रमुख केन्द्र बनने से नही चूक पायेगा?

4 बजे ही स्कूल बंद कर चले गए शिक्षक

मध्यान्ह भोजन में भी लापरवाही

समनापुर विकास खंड अंतर्गत

माध्यमिक शाला अजगर का मामला

डिंडोरी । जहां एक ओर सरकार बैगाचक में शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रही है जिसमें बच्चों को पुस्तक, कापियां, ड्रेस, खाना के लेकर सारी व्यवस्था बनाए रखने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही है वहीं दूसरी ओर एकीकृत माध्यमिक शाला के शिक्षकों की लापरवाही के चलते वन ग्रामों में बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में अनेक समस्या का दंश झेल रहे है। जहां विद्यालय में 77 बच्चों ने एडमिशन ले लिया है वहीं दूसरी ओर मध्यान्ह भोजन में लापरवाही और शिक्षकों द्वारा सही तरह से अपने पदों का निर्वहन न करने के चलते बच्चों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है।

हम बात कर रहे हैं समनापुर विकास खंड एकीकृत माध्यमिक शाला अजगर की जहां पर 77 विद्यार्थियों की जगह मात्र 18 बच्चे ही विद्यालय आ रहे हैं और शासन द्वारा संचालित मध्यान्ह भोजन योजनान्तर्गत द्वारा सिर्फ दाल चावल ही खा रहे हैं, जबकि स्कूल प्रबंधन और संचालित समूह द्वारा शासन की गाइड लाइन के हिसाब से भोजन उपलब्ध नहीं हो रहा है। बता दें कि विद्यालय में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय में 77 बच्चों के लिए 6 शिक्षक पदस्थ हैं पर शिक्षा की बात करें तो सिर्फ शासन का तनख़ा लेने तक सीमित है। इसलिए बच्चों को शिक्षा नहीं मिल रही है। शिक्षकों की लापरवाही का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 4 बजे से पहले ही सभी शिक्षक स्कूल बंद कर चले गए। इतना ही नहीं जब दोपहर में स्कूल में प्राचार्य मनिराम धुर्वे की अनुपस्थिति पर जानकारी ली गई तो वहां पदस्थ शिक्षकों ने बताया कि शिक्षक जिले में प्रशिक्षण में गए है, पर देखा गया कि प्राचार्य मनीराम धुर्वे घर पर ही बैठे हुए थे और शिक्षकों की लापरवाही और मध्यान्ह भोजन में हो रही गड़बड़ियां के बारे में जानकारी लेने पर कोई जानकारी नहीं दी गई। मतलब यह है कि प्राचार्य मनीराम धुर्वे की मनमानी के चलते पदस्थ शिक्षकों की मनमानी चल रही है वहीं अधिकारियों को इस तरह की जानकारी के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की जाती है। आपको बताते चलें कि माध्यमिक शाला अजगर में पदस्थ शिक्षक मनिराम धुर्वे पहले विकास खंड बजाग में पदस्थ रहे और यहां भी उनके द्वारा विद्यालय संचालन में लापरवाही की जाती रही है जिसकी वजह से उन्हें समनापुर विकास खंड में ट्रांसफर कर दिया गया। अब देखना यह है कि विद्यालय में पदस्थ शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन पर क्या कार्यवाही होगी या फिर बच्चों के भविष्य को ताक में रखकर शासन क उद्देश्य की होली जलाई जाएगी।

इनका कहना है

शिकायत मिली है कि मेन्यू के हिसाब से बच्चों को भोजन नहीं मिल रहा है, जल्द ही जांच कर कार्यवाही करेंगे।

आनंद मौर्य (प्रभारी अधिकरीध्जिला गुणवत्ता निरीक्षक)

आपके द्वारा जानकारी मिली है जल्द कार्यवाही करेंगे

बी आर सी

विकास खंड समनापुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मनाया समाजिक समरसता दिवस

कॉलेजों एवं स्कूल में मनाया सामाजिक समरसता दिवस

डिंडोरी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद डिंडोरी जिला के नेतृत्व में भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर जी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में कन्या विद्यालय ग्राउंड समनापुर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया साथ ही नगर के सभी विद्यालय के छात्रों के साथ सामाजिक समरसता यात्रा निकली गईं, जिसमें हजारों छात्रो ने हिस्सा लिया। मुख्य वक्ता महेंद्र धर बड़गिन्य जी ने बताया कि हम आज भारत के उस क्रांतिकारी महापुरुष की पुण्यतिथि मना रहे हैं, जिसने जीवन के बड़े ही दुखद मानसिक प्रताड़ना शोषण जातिगत विभेद जैसी बाधाओं को अपने धैर्य साहस मेहनत कर्तव्य परायणता और निष्ठा के द्वारा हराकर भारत को समानता का अधिकार देकर समरसता का भाव प्रवाहित किया। शास. आदर्श महाविद्यालय डिंडोरी में संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि डॉ विकास जैन, अध्यक्ष डॉ. हीरा सिंह जामोद, मुख्य वक्ता अमन जी जिला संगठन मंत्री अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, विवेक मार्को जिला संयोजक, रितिका कॉलेज मंत्री उपस्थित रहे। डॉ विकास जैन ने बताया कि बाबा साहब का जन्म एक दलित परिवार में हुआ था। आप लोगों ने सुना होगा कि महाराष्ट्र में एक जाति है महार नाम की। उसमें उनका जन्म हुआ था। 14 संताने उनके माता-पिता के थे जिसमें अंतिम संतान वही थे। और अकेला एक ऐसा बच्चा जिसे स्कूल जाने का पढ़ने का मौका मिला। इनके पूर्वज जो थे वह ब्रिटिश कंपनी में सैनिक हुआ करते थे, पिता ब्रिटिश इंडियन आर्मी में एक सूबेदार रैंक के व्यक्ति थे और क्योंकि वह सूबेदार रैंक के व्यक्ति थे तो उनको कुछ बेनिफिट मिल गए जो इनके जाति के अन्य लोगों को नहीं मिल पाई थी इसका फायदा यह हुआ कि अंबेडकर जी को एक स्कूल में दाखिला मिल गया जिसमें वह पढ़ने लगे। जिस समय वह स्कूल में पढ़ रहे थे उस समय एक अकेला दलित बच्चा यही था भीमराव जिसका नाम था। अंबेडकर नाम तो बाद में पड़ा उनके गांव के नाम से पड़ गया। डॉ जामोद ने बताया कि उन्होंने लिखा है उनकी मराठी में एक आत्मकथा है ष्मैं कैसे बनाष ष्मी कसा झालोष जिसमें उन्होंने यह सब लिखा है। स्कूल में प्रवेश तो मिल गया पर स्कूल में बाकी बच्चों जैसे इनको अधिकार नहीं थे, बच्चों के साथ बैठने का अधिकार नहीं था। पूरे स्कूल के बच्चों के लिए पानी पीने की व्यवस्था थी, पर इनके लिए नियम था कि ये अपने हाथ से पानी नहीं पी सकते, कोई स्कूल का होगा सवर्ण जो पानी लेकर इनको दूर से पिलाएगा ताकि बर्तन टच ना हो जाए और उन्होंने लिखा है कि कई बार ऐसा होता था कि वह सहायक छुट्टी पर है और दिन दिन भर उन्हें बिना पानी के कैसे रहना पड़ता था। इसका जिक्र उन्होंने खूब किया है। जिला संयोजक ने कहा बाबा साहब को दलित एसटी एससी वर्ग का नेता कहा जाता है माना जाता है, परंतु इसे जानकारी का अभाव भी कहेंगे, क्योंकि जो जानकारी रखते हैं उन्हें पता है कि देश में महिलाओं की स्थिति को सुधारने का काम खासकर हिंदू महिलाओं की स्थिति को सुधारने का काम बाबा साहब ने किया जिसके कारण आज देश की बेटी राष्ट्रपति बन पाती है। आज भी क्या समाज में समानता का जो सपना बाबा साहब ने देखा था वह पूरा हो पाया है। अन्य कॉलेज एवं स्कूलों में भी निबंध, भाषण, गीत प्रतियोगिता, संगोष्ठियों एवं रैली का आयोजन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा किया गया।

विकासखण्ड स्तर पर रोजगार मेलों का होगा आयोजन

डिंडोरी । विकासखण्ड स्तर पर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उदेश्य से रोजगार मेलों का आयोजन किया जायेगा। जिसके तहत 9 दिसंबर को आजीविका मिशन कार्यालय करंजिया, 10 दिसंबर को आजीविका मिशन कार्यालय बजाग,11 दिसंबर को जनपद पंचायत समनापुर, 12 दिसंबर को आजीविका मिशन कार्यालय अमदरी अमरपुर, 13 दिसंबर को जनपद पंचायत मेंहदवानी, 14 दिसंबर को जनपद पंचायत शहपुरा एवं 16 दिसंबर को जनपद पंचायत डिण्डौरी में रोजगार मेला का आयोजन होगा। उक्त रोजगार मेले में 19 वर्ष से 40 वर्ष तक के युवा आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए आवेदक जनपद पंचायत या आजीविका मिशन कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं।

महिला थाना ने उच्चतर विद्यालय अनूपपुर में चलाया जागरूकता अभियान

अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय, वल्लभ भवन भोपाल द्वारा विशेष जागरूकता अभियान हम होगें कामयाब पखवाड़ा 25.11.2024 से 10.12.2024 तक चलाया जा रहा है, जिसके तारतम्य मे महिला थाना अनूपपुर द्वारा आज 7 दिसम्बर को शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर मे जाकर विशेष जागरूकता अभियान हम होंगे कामयाब के अन्तर्गत आपातकालीन हेल्पलाईन नम्बर 112, महिला हेल्पलाईन नम्बर 1090, चाईल्ड हेल्पलाईन नम्बर 1098, सीएम हेल्पलाईन नम्बर 181, साइबर सुरक्षा हेल्पलाईन 1930 का प्रचार प्रसार एवं समस्त शैक्षणिक संस्थाओ/समुदाय पर महत्वपूर्ण नम्बर की जानकारी का प्रचार प्रसार तथा नशा, दहेज, रूढ़िवादिता, अश्लीलता, संवेदनशीलता, भ्रूण हत्या, अशिक्षा, लिंग भेद विषय पर चर्चा कर छात्र छात्राओ एवं विद्यालय स्टाफ को विस्तृत जानकारी दी जाकर जागरूक किया गया। जागरूकता अभियान मे शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर में करीब 200 छात्र - छात्राए एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। महिला थाना अनूपपुर स्टाफ उपनिरी. वीरेन्द्र तिवारी, आर. कपिल देव चक्रवर्ती द्वारा जागरूकता अभियान की विस्तृत जानकारी छात्र- छात्राओ को दी गई।

आदिवासी महिला से छेड़छाड़ के आरोपी को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

अनूपपुर। थाना कोतवाली अनूपपुर अंतर्गत निवासी 38 वर्षीय महिला के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि गुरूवार की रात करीब 8 बजे जब वह अपने घर के सामने बनी शौचालय में थी तभी नान पटेल निवासी ग्राम ढुलहरा के द्वारा गलत नियत से हाथ पकड़कर छेड़खानी की गई जो महिला के द्वारा चिल्लाने पर आरोपी मौके पर से भाग गया। उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 512/24 धारा 74 बी.एन.एस. 3(1) (डब्ल्यू) (आई) 3 (2) (व्हीए) अनुसूचित सूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम पंजीबद्ध किया जाकर टी.आई. कोतवाली निरीक्षक अरविन्द जैन, सहायक उपनिरीक्षक सुखीनंद यादव, आरक्षक कपिल सोलंकी, पूर्णानन्द मिश्रा के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी नान पटेल पिता निर्बल पटेल उम्र 40 साल निवासी ग्राम ढुलहरा को गिरफ्तार किया गया है।

जिला चिकित्सालय में समय पर चिकित्सकों की उपस्थिति अनिवार्य

अनूपपुर। एसडीएम अनूपपुर के द्वारा शनिवार 7 दिसम्बर को जिला चिकित्सालय अनूपपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में चिकित्सकों की समय पर उपस्थिति परिलक्षित नही होने पर कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।

सीधे दफ्तर पहुंच रहे लोग भटकने को मजबूर

परिवहन विभाग का कार्यालय या दलालों का अड्डा

अनफिट वाहनों की जांच नहीं, अवैध वसूली में मशगूल अमला

चंद सिक्कों की खनक के आगे रद्दी की टोकरी में नियम कानून

अनूपपुर।

गाडियों का नवीनीकरण कराना हो या फिर ड्राईविंग लाईसेंस बनवाना हो परिवहन विभाग में दलालों या बाबूओं की जमकर मनमानी चल रही है। बाबुओं की कुर्सियों में बैठे लोग दरअसल, परिवहन विभाग के दलाल होते हैं और वे ही सारा काम करते हैं और जरुरतमंद लोगों को लूट रहे हैं। यह सिलसिला काफी लंबे समय से चल रहा है, लेकिन इस पर लगाम लगाने जिला प्रशासन से लेकर परिवहन विभाग के उच्च अधिकारी भी गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं वही मुसाफिरों की जान खतरे में डालकर सड़कों पर दौड़ती खटारा बसों मे मुसाफिरों को सुरक्षित बचाने कई इंतजाम यात्री बसों में करने के निर्देश के बाद भी पालन नही हो रहा है और न ही इनका पालन जिम्मेदारों द्वारा करवाया जा रहा है। कुल मिलाकर परिवहन विभाग मे मनमानी व भर्रेशाही चरम पर है।

जिला मुख्यालय में जैतहरी रोड हरीं के पास संचालित आरटीओ दफ्तर में जमकर अंधेरगर्दी चल रही है। दफ्तर में बाबूओं व दलालों की चांदी है। वाहन संबंधित किसी काम के लिए दफ्तर पहुंच रहे लोगों को किसी भी काम के लिए दलालों व बाबूओं को अधिक रकम चुकाना पड़ रहा है। बार-बार विभाग का चक्कर लगाने से बचने लोग दलालों के पास ही काम कराने को मजबूर हैं। कुल मिलाकर आरटीओ दफ्तर में काम के लिए पहुंच रहे लोगों को या तो अधिक रकम चुकाना पड़ रहा है या फिर भटकना पड़ रहा है। जबकि परिवहन विभाग का जिम्मा ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के अलावा वाहनों के रजिस्ट्रेशन, परमिट जारी करना तथा वाहन शुल्क वसूल सरकार के लिए राजस्व अर्जित करना है।

सीधे दफ्तर पहुंचने वाले भटकने को मजबूर

मिली जानकारी के अनुसार लाइसेंस बनवाने व नवीनीकरण कराने सहित कोई भी काम के लिए दफ्तर पहुंच रहे लोगों का काम कई चक्कर लगाने के बाद भी नहीं हो रहा है। एक पीड़ति ने बताया कि वह नया लाइसेंस बनवाने दफ्तर का कई चक्कर लगा चुका है, लेकिन अधिकारी नहीं होने का बहाना बनाकर उसका लाइसेंस नहीं बनाया जा रहा है। दफ्तर में सीधे काम को लेकर पहुंच रहे लोग भटक रहे हैं वहीं दलालों के माध्यम से काम जल्दी हो रहा है।

जांच केन्द्र में भी कर रहे ठगी

जिले में प्रदूषण जांच केंद्र धन उगाही का अड्डा बन गए हैं। जिले में जाल फैलाये ये प्रदूषण केंद्र आम जनता को लगातार अपनी ठगी का शिकार बना रहे हैं। आलम यह है कि इन केंद्रों ने प्रदूषण जांच के लिए निर्धारित फीस की सूची को कूडेदान में डालकर अपनी नई सूची चस्पा कर दी है। आरोप है कि प्रदूषण केंद्रो की इस मनमानी के बाबत कई बार परिवहन विभाग के अधिकारियों को शिकायत दी गई, बावजूद इसके विभागीय अधिकारी जांच किसी भी तरह की कार्रवाई के लिए तैयार नहीं है। परिवहन विभाग के अधिकारियों के इस रुख के चलते अवैध वसूली करने वालों के हौसले बुलंद हो गए हैं।

अनफिट वाहनों की जांच नहीं

शहर सहित जिले भर में कंडम हो चुके अनफिट वाहन बेखौफ दौड़ रही है। ऐसे वाहनों से हमेशा दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। बावजूद इसके परिवहन विभाग ऐसे वाहनों की जांच व कार्रवाई करने मे गंभीरता नहीं दिखा रही है। विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को दफ्तर में होने वाले कार्यों से दलालों के माध्यम से रुपए कमाने से फुर्सत नहीं मिल रहा है। जिले में हजारों वाहन फिटनेस का मानक पूरा नहीं करते हैं। सडकों पर दौड़ रही अनफिट वाहनों में सबसे ज्यादा संख्या ट्रैक्टर-ट्राली, निजी बस, मालवाहक की है। मिली जानकारी के अनुसार कई महीनों से वाहनों की जांच नहीं हो पाई है, जिसका फायदा वाहन चालक उठा रहे हैं। अनफिट वाहनों के चलते जिले में आए दिन सडक दुर्घटनाएं हो रही है। कइयों की जान भी जा चुकी है

निभा रहे औपचारिकताएं

आरटीओ दफ्तर में रजिस्ट्रेशन, ट्रांसफर व फिटनेस इत्यादि दस्तावेज जारी करते समय वाहनों में औपचारिकताएं पूरी कर दी जाती है लेकिन सड़क में मुसाफिरों की जान की परवाह किए बिना यात्री बसों को सड़कों पर दौड़ाया जा रहा है। स्टैंड में नियमों को ताक में रखकर बसों का संचालन किया जा रहा है। इनमें ना तो डबल डोर (दो दरवाजे) मौजूद हैं, न ही आग को काबू में करने अग्निशमन यंत्र लगाया गया है। हादसे के दौरान प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने फर्स्ट एड बाक्स भी ज्यादातर वाहनों में मौजूद नहीं रहता।

निर्देशों की कर रहे अनदेखी

भीषण सड़क हादसों के बाद मध्यप्रदेश सरकार ने परिवहन विभाग को सभी यात्री बसों में मुसाफिरों की सुरक्षा इंतजाम करने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों के तहत हादसे के वक्त वाहन से बाहर निकलने यात्रियों के लिए बसों में दो डोर (दो दरवाजे) लगाने के अलावा बस की पिछली कांच को आपातकालीन दरवाजे की तरह लगाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इन निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। सड़कों में दौड़ रही बसों में भले ही बाहर से दो दरवाजे नजर आए लेकिन वास्तविकता में बसों में एक दरवाजा ही काम रहा है।

नहीं है जरूरी सुविधाएं

कई बसों में तो दूसरा दरवाजा ही गायब है। किराए के मुताबिक यात्रियों को जरूरी सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। किसी बस में खिड़कियों के कांच फूटे है तो कई बसों में फर्स्ट एड बाक्स के नाम पर खाली डिब्बा लटका दिया गया है। अग्निशमन यंत्र भी नाममात्र के लिए इक्का दुक्का बसों में लगाए गए हैं। कमियों को दूर करने की बजाए पकड़े जाने पर बस संचालक तरह तरह के बहाने बताकर जिम्मेदारियों से बच निकलते हैं। इसका खामियाजा हादसों के दौरान मुसाफिरों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ता है।

विभाग के लिए मजबूरी है दलाल

जानकारी के मुताबिक दलाल, विभाग के लिए मजबूरी बन चुके हैं। वजह साफ है कार्यालय में आवेदकों की भीड़ बढ़ रही है और कर्मचारी सेवानिवृत होकर कम होते जा रहे है। ऐसे में कार्यालय के अधिकांश काम दलालों पर ही निर्भर है। लाइसेंस पाने के लिए लोगों को टेस्ट पास करना होता है और उस टेस्ट में पास होने के बाद ही पक्का लाइसेंस दिया जाता है लेकिन परिवहन विभाग में खेल कुछ अलग ही है। यहां पर उन लोगों को पक्का लाइसेंस आसानी से मिल जाता है, जिन लोगों ने दलालों की जेब गर्म कर रखी होती है। जेब गर्म होने के बाद कार चलानी आती है या नहीं दलालों को इस बात की कोई परवाह नहीं है।

मोबाइल टावरों में नहीं जल रहा लाल विद्युत संकेतक बल्ब

अमरकंटक।

मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक के विभिन्न स्थलों में मोबाइल कंपनियों द्वारा लगाए गए टावर में लंबे अरसे से लाल विद्युत लाइट नहीं जल रहा है। इस ओर मोबाइल टावर कंपनियों के कर्ताधर्ता ध्यान नहीं दे रहे हैं और ना ही प्रशासन ही इस ओर ध्यान दे रहा है। इससे कभी भी आकाश में उड़ने वाले वायुयान तथा हेलीकॉप्टर दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। मोबाइल टावर में लाल विद्युत बल्ब जल रहे हैं या बंद है इसे कोई देखने सुनने वाला नहीं है। प्रशासन कितना सजग है यह सहज ही देखा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि पवित्र नगरी अमरकंटक के विभिन्न वार्डों में लगभग आधा दर्जन से भी अधिक बीएसएनल, आइडिया, वोडाफोन, एयरटेल, जियो तथा अन्य कंपनियों के टावर लगे हुए हैं इनमें रात्रि काल में लाल विद्युत बल्ब का जलना आवश्यक है ताकि रात्रि कल में आकाश मार्ग में चलने वाले हेलीकॉप्टर वायुयान किसी दुर्घटना का शिकार ना हो सके, संकेतक बल्ब जलते रहना चाहिए। मोबाइल टावर लगाए जाते समय यह स्पष्ट निर्देश होते हैं कि टावर में लाल विद्युत बल्ब का संकेतक लगाना आवश्यक होगा लेकिन इसका पालन नहीं हो रहा है। गौरतलब है कि अमरकंटक नगर मेकल पहाड़ी पर है तथा यह समुद्र तल से लगभग 1050 फुट ऊंचाई पर है। रेलवे विभाग का भी टावर सोनमुड़ा स्थित पहाड़ी पर 125 फीट ऊंचा लगा है तथा नर्मदा नदी तट रामघाट में स्थानीय प्रशासन द्वारा 51 फुट का फ्लैग पोल लगा है उसका भी लाल लाईट नही जल रहा। हेलीकॉप्टर ज्यादा उंचे पर नहीं उड़ाते हैं। क्या प्रशासन मोबाइल टावर कंपनियों को तत्काल लाल विद्युत बल्ब लगाए जाने हेतु निर्देशित करेगा ताकि कोई अप्रिय वारदात ना हो सके या फिर सजग प्रशासन इन पर कोई कार्यवाही सुनिश्चित करेगा।

अमरकंटक धार्मिक स्थल जालेश्वर धाम का पहुंच मार्ग जर्जर

तत्काल सुधार मरम्मत करने की मांग

अमरकंटक।

मध्य प्रदेश का प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक का एक बहुत ही प्रमुख धार्मिक स्थल यहां से जोहिला नदी का उद्गम स्थल है जालेश्वर धाम को जाने वाला 1 किलोमीटर का पहुंच मार्ग बहुत ही दयनीय जर्जर हालत में है उक्त मार्ग से कोई भी पर्यटक तीर्थ यात्री आना-जाना पसंद नहीं करता है तथा उक्त मार्ग में पैदल चल ना तक भी मुश्किल हो गया है। उल्लेखनीय है कि अमरकंटक शहडोल रीवा मुख्य मार्ग से 1 किलोमीटर का जालेश्वर तक का मार्ग की हालत दयनीय हो चुकी है वह बहुत ही जर्जर स्थिति में है उसका रखरखाव मरम्मत सुधार 10-12 वर्षों से नहीं हुआ है फल स्वरुप उसकी दशा दयनीय हो चुकी है। जबकि यहां वर्ष भर तीर्थ यात्रियों भक्ति श्रद्धालुओं का निरंतर आना-जाना बना रहता है तथा सावन मास में तो लाखों की संख्या में भक्त श्रद्धालु पावन सलिला नर्मदा जी का जल नर्मदा उद्गम कुंड से लेकर 9 किलोमीटर तक पैदल कांवर लेकर जाते हैं तथा जालेश्वर महादेव में भक्त भाव के साथ जल चढ़कर पूजन अर्चन करते हैं। ज्ञात हो कि जालेश्वर स्थल को लेकर मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य दोनों ही आधिपत्य को लेकर विवाद करते रहे हैं इसका प्रकरण न्यायालय में चल रहा था जालेश्वर धाम को लेकर मध्य प्रदेश विधानसभा की समिति ने जांच कर प्रतिवेदन मध्य प्रदेश शासन को सौंपा था। सावन मास में दोनों ही राज्य की पुलिस सुरक्षा व्यवस्था देख-रेख करती है छत्तीसगढ़ के गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला प्रशासन द्वारा जालेश्वर धाम मंदिर तक मार्ग बनवाया हुआ है लेकिन जालेश्वर धाम मंदिर से शहडोल रीवा मुख्य मार्ग तक का पहुंच मार्ग जो 1 किलोमीटर है दयनीय स्थिति में है दो पहिया वाहन चौपहिया वहां तथा बड़े वाहन यहां तक नहीं जा पा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जालेश्वर पहुंच मार्ग का लगभग 20-22 वर्ष पूर्व सीमेंट का हुआ था उसके बाद 5-7 वर्ष बाद उसका मरम्मत किया गया था, लेकिन इसके बाद से अब तक उक्त मार्ग का आवश्यक सुधार मरम्मत न होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जालेश्वर धाम अमरकंटक नगर परिषद का वार्ड क्रमांक 1 में आता है। क्या जिला प्रशासन स्थानीय नगर परिषद अमरकंटक इस दिशा में कोई कारगर कदम उठाकर मार्ग का मरम्मत सुधार कराएंगे।

हरिभूमि
नर्मदा भूमि
[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, रविवार 8 दिसंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

झूलते विद्युत तारों में फंसी साइकिल

तेंदूखेड़ा। नगर के पुराने बस स्टैंड पर विद्युत लाइन के पोल से कनेक्शन वाली झूलती लाइन में एक माल बाहक बाहन में रखी साइकिल फंस गई बाहन आगे निकल गया और साइकिल झूलती रह गई। शनिवार को निर्मित हुई यह स्थिति जन चर्चा का विषय बनीं रही।

बिजली विभाग में अधिकारियों की भारी कमी

गोटेगांव। स्थानीय बिजली विभाग गोटेगांव का हाल इस समय बेहाल नजर आ रहा है। बिजली विभाग में वर्षों से जे ई का पद खाली है। वहीं असिस्टेंट इंजीनियर(एई) का पद भरा हुआ है। परंतु विभाग में कर्मचारियों कि कितनी कमी है आप इसका अंदाजा लगा सकते हैं कि एई के पास जूनियर अस्सिटेंट इंजीनियर (जेएई) का भी अतिरिक्त प्रभार बना हुआ है इसके साथ-साथ ही श्रीनगर सहित अन्य जगह का अतिरिक्त प्रभार का बोझ बना हुआ है।विभाग सिर्फ कार्य करवाना चाहता है नियुक्तियां नहीं करता जिससे कार्य प्रभावित हो रहे है वैसे तो समूचे प्रदेश में हर विभागों में कर्मचारियों की कमी देखी जा रही है और शासन योजनाएं नई नई लांच करता है तो क्रियान्वयन करने वाला अधिकारी कर्मचारी भी तो हो।प्रायः देखा जा रहा है कि एक अधिकारी दो दो तीन तीन जगह का कार्य प्रभार के चलते देख रहा है जिससे ना एक ही प्रभार का कार्य होता है और न ही दूसरे तीसरे विभाग का।जिससे प्रदेश की जनता परेशान हो रही है।इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं एक व्यक्ति के पास चार अन्य जगह का प्रभार दिया गया है।जिससे नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था पंगु होती नजर आ रही है आखिर एक व्यक्ति चार जगह का कार्य एक साथ कैसे कर सकता है।नगर सहित क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था चरमराई हुई है।आखिर कब तक बिजली विभाग की व्यवस्था प्रभार के भरोसे घिसटते रहेगी।

आज से आरंभ होगी राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता

नरसिंहपुर। स्टेडियम हॉकी मैदान नरसिंहपुर में स्व. मणिनागेंद्र सिंह पटेल की स्मृति में आज 8 दिसंबर से 12 दिसंबर 2024 तक राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों की 8 टीमों के अलावा नरसिंहपुर जिले की 2 टीमों सहित कुल 10 टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में नाकाउट मुकाबले होंगे। जिसका उद्घाटन मैच आज दोपहर 1 बजे से खेला जाएगा। जिले के हॉकी प्रेमियों द्वारा अयोजित की जा रही इस वृहद प्रतियोगिता की विजेता टीम को 31 हजार रुपए नकद एवं उपविजेता टीम को 21 हजार रुपए नकद व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

गरुण भगवान की स्थापना 12 दिसंबर को

नरसिंहपुर। श्री देव लक्ष्मी नारायण स्वामी मंदिर सिंहपुर बड़ा में श्री गरुण जी महाराज की प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। सभी धर्मांप्रेमियों से निवेदन है पुण्य कार्य में शामिल हों और अपना जीवन सफल बनाये अतः यह कार्यक्रम तीन दिन चलेगा जो कि प्रथम दिवस 10 दिसंबर को कलश यात्रा, द्वतीय दिवस 11 दिसंबर की पीठ पूजन, तृतीय दिवस 12 दिसंबर को प्राण प्रतिष्ठा व हवन है।

नरसिंह तालाब में महिला का शव मिला पुलिस जांच में जुटी

नरसिंहपुर। जिला मुख्यालय नरसिंहपुर के नरसिंह मंदिर से लगे तालाब में शुक्रवार को एक महिला का शव मिला। जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को तालाब से बाहर निकलवाकर पंचनामा व पोस्टमार्टम उपरांत परिजनों के सुपुर्द किया।

100 दिवसीय नि-क्षय शिविर का हुआ शुभारंभ

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत नरसिंहपुर जिला शामिल

विश्व एड्स दिवस पर निकली जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा देश के 347 चयनित जिलों में नरसिंहपुर जिले को भी शामिल किया गया है। जिले में 100 दिवसीय नि-क्षय शिविर अभियान 7 दिसम्बर से शुरू होकर आगामी 24 मार्च 2025 विश्व क्षय दिवस तक चलाया जायेगा।

100 दिवसीय नि- क्षय शिविर अभियान का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया एवं पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल की मौजूदगी में जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में शनिवार को हुआ। इस दौरान उन्होंने नि-क्षय वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में अतिथियों ने टीबी मरीजों को फूड बास्केट प्रदान किये गये। टीबी का उपचार लेकर ठीक हो चुके मरीजों को टीबी चैम्पीयन का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि अभियान के तहत जिले के संभावित क्षय रोगियों की पहचान के लिए अधिक से अधिक जांच की जायेंगी। इस दौरान 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति, धुम्रपान, जेल, वृद्धाश्रम, अनाथालय, रैन बसेरा, आवासीय विद्यालयों, स्लम, उद्योग या अस्थायी आवासीय श्रमिकों की टीबी की स्क्रीनिंग की जायेगी। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, सीएमएचओ डॉ. एपी सिंह, जिला क्षय अधिकारी, सिविल सर्जन, अन्य चिकित्सक व अस्पताल के कर्मचारी, टीबी चैम्पीयन और टीबी के उपचाररत मरीज मौजूद थे।

मानव श्रृंखला बनाकर दिया जागरूकता का संदेश

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता पखवाड़ा के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर जिला चिकित्सालय परिसर से रवाना किया। यह जागरूकता रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए सुभाष पार्क पहुंची। रैली के दौरान उत्कृष्ट विद्यालय, एमएलबी तथा सीएम राइज स्कूल के छात्र- छात्राओं व जिला एड्स नियंत्रक समिति के सदस्यों ने एड्स जागरूकता का प्रतीक चिन्ह रेड रिबिन का मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को जागरूकता का संदेश दिया। इस रैली का समापन पीजी कॉलेज नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम में हुआ।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान आज से

जिले में 8 दिसम्बर को जन्म से लेकर 5 वर्ष तक के बच्चों को बूथ पर दवा पिलाई जायेगी

एक लाख 70 हजार से अधिक बच्चों को पिलाई जायेगी पोलियो रोधी दवा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत जिले में 8 से 10 दिसम्बर 2024 तक जन्म से लेकर 5 वर्ष तक के बच्चों को पालियो रोधी दवा पिलाई जायेगी। शासन द्वारा एक लाख 70 हजार 329 बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य दिया गया है। इसके लिए जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुनील पटैल को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत पहले दिन 8 दिसम्बर को बूथ पर दवाई पिलायेगी। इसके बाद 9 एवं 10 दिसम्बर को घर- घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाई जायेगी। अभियान के अंतर्गत जिले में कुल 1335 टीमें गठित की गई हैं। इनमें 2670 सदस्य, 43 मोबाइल टीम व 51 ट्राजिट टीम बनाई गई है। इसके साथ- साथ ड्यू लिस्ट के अनुसार हितग्राहियों की वर्तमान टीकाकरण की स्थिति का भी आंकलन करेगी। पूर्णतरू असुरक्षित एवं आंशिक सुरक्षित बच्चों की सूची तैयार कर पोषण दिवसों में चिन्हित बच्चों का टीकाकरण भी किया जायेगा, ताकि सम्पूर्ण टीकाकरण का संकल्प पूर्ण किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि पड़ोस के देशों में पोलियो की बीमारी अभी भी विघमान है तथा माईग्रेटरी जनसंख्या के माध्यम से पोलियो का खतरा हमारे देश में भी बना हुआ है। अत आने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान अंत्ययत महत्वपूर्ण है। इसके लिए प्रशिक्षित टीम के सदस्यगण जहॉ बूथ, बस स्टेंड, रेलवे स्टेशन, प्रमुख चैराहे, प्रायमरी स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्रों में पल्स पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। एक भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे, इसके लिए मोबाइल दल घुम्मकड़ आबादी तथा बंजारा बस्ती, ईट भट्टा, सुगर मिल, गुड़ भट्टी, निर्माणधीन, मजदूर परिवार आदि सुदूर स्थलों में जाकर बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलायेगी। स्वास्थ्य विभाग ने सभी आमजन नागरिकों से अपील की है कि वे स्वप्रेरित होकर अपने 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा जरूर पिलायें, ताकि बच्चों को सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य दिला सकें। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। अतरू रविवार पोलियो दिवस पर अपने बच्चों और आसपास के बच्चों को भी पोलियो की दवा जरूर पिलायें।

खुशी जाट का व्हालीबॉल में उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर की महिला व्हालीबॉल टीम ने दिनांक 03 दिसम्बर से 04 दिसम्बर 2024 तक आई.पी.एस. एकेडमी ग्वालियर में संपन्न राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया एवं फाइनल में भोपाल को हराकर विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर की राज्य स्तरीय विजेता टीम में एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर में बी.कॉम द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत छात्रा खुशी जाट ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। खुशी जाट कृषक जितेन्द्र सिंह जाट एवं श्रीमती संगीता जाट की पुत्री है। उनकी इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा, कुलसचिव प्रो. राजेन्द्र कुरारिया, चेयरमैन इंजी. रुद्रेश तिवारी, प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग, खेल प्रभारी करीम खान तथा मो. आशिक अली सहित स्टॉफ मेम्बर्स एवं शुभचिंतकों ने बधाईयाँ एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

कनेहरा नदी में बनाया गया 300 बोरियों का बंधान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में मप्र जनअभियान परिषद के ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति खापा, नवांकुर संस्था, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति डोंगरगांव के तत्वावधान में स्थानीय लोगों की सहभागिता से जिले की ग्राम खापा के कनेहरा नदी में 300 बोरियों का बंधान बनाया गया। यह बोरी बंधान स्वेच्छिक एवं सामूहिक व स्वाबलंबन के आधार पर जल संरक्षण व संबर्द्धन के लिए गया है। इससे नदी के बहते पानी को रोककर भूमिगत जलस्तर बढ़ाने के साथ गर्मियों में पशुओं, जीव-जंतुओं व आम लोगों को भी जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा कृषि सिंचाई रकबे और भूमिगत जल में भी बढ़ोत्तरी होगी। इस दौरान नवांकुर संस्था व समाज कार्य पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों व परामर्शदाताओं और आम नागरिकों की सामूहिक सहभागिता रही।

बढ़े हुए कृषि पम्प का पुनः होगा लोड सर्वे

तेंदूखेड़ा

समीप ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि पम्प उपभोक्ताओं के बिल की राशि बढ़ाकर आने की शिकायत प्राप्त होने पर बढ़े हुए बिलों के निराकरण के लाईनमैनों को कृषि पम्प के पुनः लोड चैक करने निर्देशित किया गया है। हमारे प्रतिनिधि को सहायक अभियंता ने बताया कि किसान के द्वारा दुकान से जब मोटर ली जाती है तो खाली मोटर रहती है जो 3एच पी और 5एच पी की जाती है । किसान जब गड्ढे में मोटर डालते हैं तो गड्ढे में गहराई पर मोटर रहती है जिसमें डोरी गड्ढे से खंभे तक पहुंचती है। जिसमें विधुत प्रवाह अधिक होता है लोड बढ़ता है लोड चैक करते समय मौके पर किसान को बुलाया जाता है । फोटो मोबाइल नंबर लोकेशन सभी दर्शाया जाता है एवं लोड चैक के उपरांत किसान को पर्ची दी जाती है। जिसमें लोड का सम्पूर्ण विवरण होता है।

कृषि पंपों की लोड संबंधी शिकायतों का शीघ्र होगा निराकरण

मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड गाडरवारा उपसंभाग 2 कार्य योजना के अंतर्गत लगभग 1800 नए पोल लगाने का कार्य किया जायेगा जिसमें मिड स्पेन पोल रोड क्रॉसिंग में एच बीम पोल टूटे तिरछे पोलो को बदलने का कार्य किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को खासकर कृषक उपभोक्ताओं को निर्बाध उच्च गुणवत्ता पूर्ण बिजली मिल सके।कृषक बंधुओं से अपेक्षा है कि उक्त कार्यों को करने में विद्युत विभाग को सहयोग प्रदान करें। जिससे कार्यों को करने में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न ना हो। विभाग स्तर पर पिछले एक वर्ष से कृषक उपभोक्ताओं के पंपों का भार उपभोक्ताओं या उनके प्रतिनिधि के सामने चेक किया गया था। इसका संपूर्ण डाटा डिजिटल ऐप के माध्यम से संरक्षित किया गया है। उपभोक्ताओं को इसकी जानकारी के मैसेज मोबाइल पर भेजे गए थे। जिन उपभोक्ताओं द्वारा 1912 कॉल सेंटर पर या संबंधित वितरण केंद्र में आपत्ति दर्ज कराई थी उनके कृषि पंपों के भार स्वयं की उपस्थिति में पुनः चेक किए गए हैं। जिन कृषक बंधुओं को अभी भी आपत्ति शंका का है वह अपनी शिकायत 1912 कॉल सेंटर या वितरण केंद्र में दर्ज कर सकते हैं। उनकी आपत्ति शंका का निराकरण स्वयं उनकी उपस्थिति में निदान किया जावेगा।

ग्राम चौपाल के तहत योजनाओं की गई जानकारी

तेंदूखेड़ा । चांवरपाठा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम विकास की अवधारणा पर स्वेच्छिक एवं सामुदायिक सहभागिता और शासन की विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के संबंध में जनअभियान परिषद के द्वारा ग्राम चौपाल आयोजित की गई । इस दौरान ग्राम को विवादमुक्त नशा मुक्त कुपोषण मुक्त टीकाकरण युक्त के साथ- साथ जल पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन जैविक कृषि को बढ़ावा देने स्वच्छता गौसंवर्धन व संरक्षण और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को शप्रतिशत पहुंचाने आदि विषयों पर चर्चा की गई। बच्चों को शाला में शत-प्रतिशत प्रवेश कराने आंगनबाड़ी केन्द्र को गोद लेकर उसका सुचारू संचालन नियमित व निर्धारित गतिविधियों के संचालन के संबंध में ग्रामवासियों से चर्चा की गई। इसके अलावा सभी आयामों पर सामुदायिक सहभागिता के साथ कार्य करने के संबंध में प्रशिक्षण भी दिया गया।इस अवसर पर जिला समन्वयक जनअभियान परिषद् नवांकर संस्था सेवा समिति जनकल्याण समिति ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सभी पदाधिकारी व सदस्य, समाजसेवी और ग्रामीणजन मौजूद थे।

अल्पविराम परिचय कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। ब्लॉक स्तरीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचायत नरसिंहपुर में शुक्रवार को आयोजित किया गया। इसमें 60 प्रतिभागियों ने सहभागिता दी। कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किये गये।इस अवसर पर सीईओ जनपद श्रीमती प्रतिभा परते, जिला समन्वयक जनअभियान परिषद जयनारायण शर्मा, आनंदक और विभिन्न विभागों के कर्मचारी मौजूद थे। कार्यशाला में आनंदक धमेन्द्र चंदेल ने राज्य आनंद संस्थान का परिचय दिया। मास्टर ट्रेनर यमुना विश्वकर्मा ने आंनद की ओर श्रीमती मुक्ति राय और आनंदक अमित नामदेव ने जीवन का लेखा जोखा सत्र और मास्टर ट्रेनर सुश्री विप्रा मोदी ने रिश्ते सत्र लिया गया। आंनद की अनुभूति और जीवन को सकारात्मक सोच की ओर ले जाने वाली विविध गतिविधियां और सत्रों में शान्त समय लेकर आत्मानुभूति करवाई गई।

सौंदर्यीकरण के इंतजार में बगतला तालाब

गोटेगांव

कार्य रुका गोटेगांव स्थानीय जबलपुर मुख्य सड़क मार्ग के पास नगरपालिका के द्वारा बगतला तालाब का सौंदर्य करने के लिए कुछ माह पहले निविदा आमंत्रित करके ठेकेदार को कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। बारिश के पहले ठेकेदार के द्वारा तालाब के आस पास कुछ निर्माण कार्य अवश्य कराया था। इसके बाद बारिश प्रारम्भ हो जाने से बगतला तालाब पर होने वाले निर्माण कार्य पर रोक लग गई।वहीं राजस्व विभाग को नगरपालिका के द्वारा सीमांकन निर्धारित करने के लिए पत्राचार करने के बाद राजस्व विभाग ने एक समिति का गठन किया था। बारिश के कारण बगतला तालाब की सीमांकन का कार्य टल गया। जिसके कारण ठेकेदार के द्वारा आगे का निर्माण कार्य नहीं किया गया है।वर्तमान समय में यह तालाब बारिश के पानी के कारण पूरी तरह से भरा हुआ हैं। जिसके कारण सीमांकन से लेकर अन्य कार्य पूरी तरह से प्रभावित हो रहे है। इसके कारण तालाब का सौंदर्यीकरण का कार्य पूरी तरह से रुका हुआ है। इस तालाब का सौंदर्यीकरण का कार्य कब निविदा के अनुसार होगा। इस पर कई सवाल उठ रहे है।यहां पर मौजूद मकान में रहने वाले लोगों को दूसरी जगह पर विस्थापित करने की कार्रवाई भी पूरी तरह से रुकी हुई है। इस तालाब के कुछ हिस्से में नगरपालिका के द्वारा सीसी रोड का निर्माण अवश्य करा दिया है, मगर इसके आसपास निवास करने वाले लोगों को दूसरी जगह पर विस्थापित करने की दिशा में अभी तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। पहले यह तालाब बगलई ग्राम पंचायत के तहत आता था।प्रशासन ने उसकी दशा को देख कर उक्त तालाब को नगरपालिका के अधिपत्य में कर दिया और इसी के तहत सौंदर्यीकरण करने के लिए निविदा लगा कर कार्य कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लेकिन बरसों बीतने के बाद भी तालाब की स्थिति जस की तस बनी हुई है।

सीएम राईस विद्यालय में साइकिल वितरण कार्यक्रम संपन्न

गोटेगांव

स्थानीय नगर के शासकीय सीएम राईस विद्यालय में साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी सरदार सिंह पटेल, गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश उपस्थित रहे,इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और उनके आवागमन की सुविधा में सुधार करना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं, जिससे दूरदराज से आने वाली छात्राओं को स्कूल तक पहुंचने में आसानी होगी। वहीं समाजसेवी सरदार सिंह पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा का अधिकार सभी का है और इसे सुनिश्चित करने के लिए सरकार और समाज का सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह साइकिलें न केवल छात्राओं को स्कूल आने के लिए प्रेरित करेंगी,गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश ने कहा कि राज्य सरकार छात्राओं की शिक्षा को प्राथमिकता दे रही है और यह साइकिल वितरण योजना उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है,इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि पंकज चौकसे,हाकम सिंह चढ़ार सहित विद्यालय के शिक्षक,अभिभावकों एवं छात्र उपस्थिति रहे।